पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कटरीना जल्द बनेंगी मां

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 170 | बुधवार 24 सितंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas | ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव के लिए 'तत्काल' सत्यापन

राज्य चुनाव आयोग ने की तैयारी

सत्यापन के लिए 'SIR' अभियान 30 सितंबर से होगा शुरू

मुंबई. यह स्पष्ट हो गया है कि देश भर में चल रही मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया का महाराष्ट्र में स्थानीय स्वशासन निकायों की प्रक्रिया पर प्रभाव पड़ेगा। चूँकि 11 सरकारी दस्तावेजों के सत्यापन के लिए 'एसआईआर' अभियान 30 सितंबर से शुरू होगा, इसलिए माना जा रहा है कि मतदान वाले राज्य में अब राजनीतिक दलों के दावों, प्रतिदावों और अति-दावों पर चर्चा होगी।

पूर्व घोषणा के अनुसार जिन नागरिकों के नाम 1 जुलाई, 2025 तक मतदाता सूची में हैं, वे स्थानीय स्वशासन निकाय चुनावों में मतदान कर सकेंगे; हालाँकि, राज्य चुनाव आयोग ने सभी अधिकारियों को सूचित किया है कि वे केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा देश भर में चलाए जाने वाले दस्तावेज़ सत्यापन अभियान के अनुसार सूचियों के सत्यापन के लिए तैयार रहें। राज्य चुनाव अधिकारियों ने सूचित किया है कि महाराष्ट्र में मतदाता सूचियाँ 'एसआईआर' के अनुसार हैं या नहीं, इसका सत्यापन स्थानीय स्वशासन निकाय चुनावों के बाद शुरू किया जाना चाहिए।

हालांकि, चुनाव आयोग पारदर्शिता के सिद्धांत को लागू करने के लिए तैयार है। महाराष्ट्र में असली मतदाताओं की पहचान के लिए इस तलाशी अभियान के अनुकूल सभी कदम उठाए जाएँगे। राज्य चुनाव आयोग के सचिव सुरेश काकानी ने बताया कि उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को मतदाता सूची को लेकर किसी भी आपत्ति के जवाब के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावों के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम का पालन किया जाएगा। जिला परिषद और पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्रों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। नगर परिषदों की वार्ड संरचना 30 सितंबर को अंतिम रूप दी जाएगी, जबकि कुछ महानगर पालिकाओं की वार्ड संरचना 6 अक्टूबर को और कुछ स्थानों पर 13 अक्टूबर को अंतिम रूप दी जाएगी।

वर्तमान में, इन स्थानों पर आपत्तियों और सुझावों की सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। राज्य सरकार द्वारा नियुक्त वरिष्ठ सिविल सेवक इन सुझावों और आपत्तियों को सुन रहे हैं। एक बार वार्डों की सीमाओं को अंतिम रूप दे दिए जाने के बाद, मतदाता सूचियों को तदनुसार विभाजित किया जाएगा। इसके बाद आरक्षण तय किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे के अनुसार, आयोग को चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी है। मतदाता सूची में त्रुटियों के खिलाफ उठाई गई आपत्तियां राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गई हैं। महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि आपत्तियां उठाई जाएंगी। जिन नामों पर आपत्तियाँ होंगी, उनकी सूचना केंद्र प्रमुख को दी जानी चाहिए और यदि आपत्तियाँ आती हैं, तो उन्हें तुरंत स्थलांतर या मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके चुनाव प्रमुख को भेजा जाएगा।

...तो मशीनों का तीन बार इस्तेमाल होगा!

चर्चा है कि चुनाव तीन चरणों में होंगे – जिला परिषद, पंचायत समिति; नगरपालिका, नगर परिषद; महापालिका। समझा जाता है कि इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालाँकि, वोटिंग मशीनों का तीन बार इस्तेमाल किया जा सकता है। सभी उम्मीदवारों के सामने वोटिंग मशीन का मेमोरी मॉड्यूल निकाला जाता है और फिर उसी मशीन में एक और मेमोरी मॉड्यूल डालकर दूसरी श्रेणी के चुनावों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। संभावना है कि महाराष्ट्र में भी यही तरीका लागू किया जाएगा। वर्तमान में, महानगरपालिका क्षेत्र में वार्ड संरचना पर आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, और यदि नागरिक आपत्तियां दर्ज करना चाहते हैं तो अंतिम मतदाता सूचियां कम से कम 8 से 10 दिनों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी।

वोटिंग मशीनें तैयार

इस बीच, वोटिंग मशीनें तैयार हैं और 1 लाख मशीनों की आवश्यकता मान ली गई है। इन वोटिंग मशीनों की नियंत्रण इकाई भी तैयार है। राज्य ने मशीनों की माँग दर्ज कराई थी। ये मशीनें तैयार होकर जल्द ही महाराष्ट्र को दे दी जाएँगी। राज्य सरकार के पास पहले से मौजूद मशीनें भी अच्छी स्थिति में होने के कारण उपयोग में लाई जा रही हैं। किसी भी समस्या की स्थिति में, मध्य प्रदेश से मशीनें भी तैयार रखी गई हैं।

दहशत फैलाने वाला अपराधी गिरफ्तार

वाहनों में तोड़फोड़ कर इलाके में मचाया था आतंक

उल्हासनगर. पुलिस ने आखिरकार उल्हासनगर की गीता कॉलोनी में आतंक मचाने वाले नशेड़ी सिद्धार्थ रामटेके को धर दबोचा। एक ट्रक चालक की बेरहमी से पिटाई, दर्जनों वाहनों में लूटपाट और तोड़फोड़ कर इलाके में दहशत का माहौल बनाने वाला यह अपराधी कुछ दिनों से पुलिस की रडार पर था। महज 12 घंटे में छह साथियों को गिरफ्तार करने के बावजूद, रामटेके फरार रहा। हालाँकि, पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में आखिरकार वह पकड़ा गया। उसे गिरफ्तार करने के बाद, पुलिस ने नागरिकों के सामने गीता कॉलोनी में उसकी परेड कराई और अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कानून के जाल से बचना नामुमकिन है। विठ्ठलवाड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गीता कॉलोनी इलाके में कुछ दिन पहले हुई इस घटना ने इलाके के नागरिकों को डरा दिया था।

12 घंटे में छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महज 12 घंटे में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, इस गिरोह का मुख्य सरगना सिद्धार्थ रामटेके फरार हो गया था। पुलिस ने रविवार को जाल बिछाकर उसे पकड़ने में कामयाबी हासिल की। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस निरीक्षक (अपराध) चंद्रहर गोडसे के नेतृत्व में एक टीम ने गीता कॉलोनी इलाके से रामटेके को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई से नागरिकों में कानून का डर बढ़ा है और इलाके में राहत फैली है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस के इस कदम का स्वागत किया और कहा कि अपराधियों का मनोबल तोड़ने के लिए ऐसी कार्रवाई बेहद जरूरी है। इससे नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा होती है।

पटेल सुपरमार्केट में हंगामा

- धोखाधड़ी का आरोप
- सुपरमार्केट में नई जीएसटी दरें लागू नहीं
- प्रबंधन पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 के वीनस चौक से लालचक्की चौक रोड पर स्थित पटेल मार्ट सुपरमार्केट में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ बिलिंग सिस्टम में नई जीएसटी दरें लागू किए बिना ही ग्राहकों से वसूली जा रही है। पूर्व नगरसेवक प्रशांत धांडे और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं को जब इस अनियमितता का पता चला, तो उन्होंने ग्राहकों के साथ सुपरमार्केट प्रबंधन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान सुपरमार्केट में जमकर हंगामा हुआ। ग्राहकों ने प्रबंधन पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए। इस बीच, सुपरमार्केट प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि बिलिंग सिस्टम में नई जीएसटी दरों का अपडेट अभी लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अपडेट लागू होने के बाद, ग्राहकों को संशोधित दरों के अनुसार बिल दिया जाएगा।

पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया

हालाँकि, स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए, पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और पटेल मार्ट को तुरंत बंद करने का आदेश दिया। पूर्व नगरसेवक प्रशांत धांडे ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 'जब तक बिलिंग सिस्टम में जीएसटी का नया अपडेट लागू नहीं होता, तब तक पटेल मार्ट को नहीं खुलने दिया जाएगा।' इस घटना से इलाके में काफी उत्तेजना फैल गई है और नागरिकों में रोष व्याप्त है। पटेल मार्ट प्रशासन ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि उनके बिलिंग सिस्टम में अभी तक नया जीएसटी अपडेट लागू नहीं हुआ है। हालाँकि, अपडेट लागू होने के बाद, ग्राहकों को सही दरों पर बिल भेजा जाएगा। साथ ही, प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उनका ग्राहकों को ठगने का कोई इरादा नहीं है।

नाबालिग लड़की से 8 लोगों ने किया गैंगरेप

- 7 आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पीड़ित लड़की के साथ आठ लोगों ने समय-समय पर यौन शोषण किया। बताया गया है कि आरोपियों में से एक लड़की का रिश्तेदार है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कल्याण की यह नाबालिग लड़की नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता के रिश्तेदार ने सोशल मीडिया पर उसे बॉयफ्रेंड देने का झांसा देकर अपने दोस्तों के साथ उसके साथ बार-बार सामूहिक बलात्कार किया। यह चौंकाने वाली घटना तब सामने आई जब लड़की गर्भवती हो गई। यह घटना पीड़िता के परिवार के लिए एक बड़ा झटका थी। लड़की के पिता ने कल्याण के महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए 8 में से 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी की तलाश जारी है।

आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और 30 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

PM मोदी का आपत्तिजनक फोटो शेयर करने पर भड़के भाजपाई

सरे बाजार कांग्रेसी नेता को पहनाई साड़ी

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फर्जी फोटो शेयर करने को लेकर जमकर बवाल हुआ है. खबर है कि फोटो शेयर करने वाले कांग्रेस नेता को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने साड़ी पहना दी। इसके बाद दोनों ही दलों की तरफ से सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस के आरोप हैं कि अगर पोस्ट से आपत्ति थी, तो इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई जानी चाहिए थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 73 साल के कांग्रेस कार्यकर्ता प्रकाश 'मामा' पगारे ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की एक मॉर्फ्ड फोटो शेयर कर दी थी, जिसमें वह साड़ी में नजर आ रहे थे। भाजपा नेताओं का कहना है कि पोस्ट में एक अपमानजनक गाना भी डाला गया था। खास बात है कि पगारे उल्हासनगर के जाने पहचाने नेता और खुलकर बोलने के लिए जाने जाते हैं।

इस पोस्ट के सामने आते ही भाजपा नेताओं का गुस्सा भड़क उठा। पगारे को कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुलाया और साड़ी पहनाई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि कुछ लोग एक शख्स के हाथ पकड़कर खड़े हुए हैं और उसे साड़ी पहना रहे हैं। खबर है कि कांग्रेस नेता के खिलाफ इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई भाजपा के कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब कर रहे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, परब ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री की ऐसी तस्वीर शेयर करना ना सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि अस्वीकार्य है। अगर हमारे नेताओं को अपमानित करने की ऐसी ही कोशिशें जारी रहीं, तो भाजपा इससे भी ज्यादा मजबूत जवाब देगी।'

इस पर कांग्रेस के कल्याण प्रमुख सचिन पोटे ने कहा, 'पगारे 73 साल के हैं और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं। अगर उन्होंने कुछ आपत्तिजनक शेयर किया था, तो भाजपा नेताओं को उन्हें जबरन साड़ी पहनाने के बजाए पुलिस में शिकायत करनी चाहिए थी।'

उल्हासनगर में ऑपरेशन ऑल आउट

- आधी रात को 200 से ज़्यादा पुलिस अधिकारी सड़कों पर
- 136 हिस्ट्रीशीटर बदमाशों से पूछताछ

उल्हासनगर. उल्हासनगर ज़ोन-4 इलाके में आधी रात को पुलिस ने एक बड़े 'ऑपरेशन ऑल आउट' को अंजाम देकर आपराधिक जगत को हिलाकर रख दिया। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन और संभागीय सहायक पुलिस आयुक्त के प्रत्यक्ष नेतृत्व में, इस तलाशी अभियान में 42 पुलिस अधिकारी और 205 कर्मचारी तैनात थे।

शराब, जुआ, ड्रग्स, हथियार कानून से लेकर वारंट प्रवर्तन तक, विभिन्न अपराधों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने लॉज, बार, हिस्ट्रीशीटरों, निर्वासित और वांटेड आरोपियों का निरीक्षण करके कार्रवाई की।

अपराध पर अंकुश लगाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इसी कड़ी में, ज़ोन-4 पुलिस ने 19 और 20 सितंबर की मध्यरात्रि (रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक) के बीच 'ऑपरेशन ऑल आउट' नामक एक विशाल अभियान चलाया।

इस अभियान में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में संभागीय सहायक पुलिस आयुक्त को प्रत्यक्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसके चलते अधिक से अधिक संख्या में पुलिस बल सड़कों पर तैनात किया गया। इस अभियान में 42 पुलिस अधिकारी और 205 कर्मचारियों ने भाग लिया।

अभियान के दौरान मद्य निषेध अधिनियम के तहत सात मामले, जुआ अधिनियम के तहत एक मामला, एनडीपीएस अधिनियम के तहत चार मामले और कोप्टा तंबाकू अधिनियम के तहत 16 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा वारंट तामील के छह मामले, मध्य प्रदेश अधिनियम 142 शस्त्र अधिनियम के तहत एक मामला और हत्या अधिनियम (धारा 4, 25) के तहत दो मामले दर्ज किए गए। शहर के 104 लॉज और बार का निरीक्षण किया गया, 136 हिस्ट्रीशीटरों, गुंडों और निर्वासित व्यक्तियों से पूछताछ की गई और दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 35 लोगों को सार्वजनिक नोटिस जारी किए गए। महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम (धारा 131, 102, 117, 112) के तहत कुल 33 मामले दर्ज किए गए।

इसके अलावा, यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ के नेतृत्व वाली टीम की मदद से 8 जगहों पर नाकाबंदी करके 208 वाहनों की जाँच की गई और 36,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस अभियान के माध्यम से कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और सैकड़ों लोगों को अपराध से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

अंबरनाथ नपा कार्यालय को गुरुवार को भाजपा ताला ठोकेगी

- शहरवासियों की सहनशीलता का अंत हो गया -अभिजीत करंजुले

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ भारतीय जनता पार्टी द्वारा शहर के अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर 11 अगस्त 2025 को अंबरनाथ नगर परिषद पर आक्रोश मोर्चा निकाला गया था. एक महिना बीत जाने के बाद भी शहर की स्ट्रीट लाइट अभी भी बंद है. कंक्रीट रास्तों पर के गड्ढे व अन्य मुद्दों पर नपा प्रशासन आज तक कुछ नहीं कर पाई. इसलिए गुरुवार 25 सितंबर को अंबरनाथ नपा कार्यालय को ताला ठोंका जाएगा. भाजपा द्वारा मुख्याधिकारी प्रशासक को ऐसा निवेदन देने के बाद मंगलवार को भाजपा कार्यालय में अंबरनाथ विधानसभा संयोजक एवं कल्याण जिला महासचिव अभिजीत करंजुले पाटिल ने पत्रकार परिषद का आयोजन कर पत्रकारों को ये जानकारी दी है. अभिजीत ने कहा कि नागरिकों की सहनशीलता का अंत हो गया है. निष्क्रिय नगर परिषद के विरुद्ध शहरवासियों का आक्रोश बढ़ गया है. नगर परिषद की मूलभूत समस्याओं का निवारण कर नहीं सकती. ऐसी निष्क्रिय नगर परिषद को चालू रखने का एवं अधिकारियों को कार्यालय में आने का कुछ भी अधिकार नहीं रह गया है. इसलिए शहर के नागरिक आंदोलन करेंगे. करंजुले ने ये भी कहा कि पत्र व्यवहार, आंदोलन, नागरिकों का प्रचंड आक्रोश के बाद आज तक कार्यालय से लिखित में उत्तर, कार्ययोजना और ठोस कदम उठाए नहीं गए हैं. शहर में स्ट्रीट लाइट बंद होने से पूरा शहर अंधेरे में डूबा है. त्यौहारों में सड़कों के गड्ढे कायम हैं. ये बाद एकदम गंभीर है और लापरवाही की हद हो गई है. इसलिए गुरुवार को नपा कार्यालय को ताला ठोको आंदोलन किया जाएगा. पत्रकार वार्तालाप में खानजी धल, लक्ष्मण दत्त पंत, रूपाली लठ्ठे, संतोष शिंदे, राजेंद्र कुलकर्णी, शहर भाजपा सचिव दिलीप कनसे आदि उपस्थित थे.

अंबरनाथ तहसील कार्यालय की नई लिफ्ट 3 महिने में बिठाई जाएगी

तालुका के अवैध स्कूलों पर कार्रवाई करने का निर्देश तहसीलदार ने शिक्षणाधिकारी को दिया

- तहसीलदार ने प्रहार पक्ष को दिया पत्र

अंबरनाथ. अंबरनाथ तहसील प्रशासकीय भवन की बंद लिफ्ट को निकालकर तीन महिने के भीतर नई लिफ्ट कार्यान्वित की जाएगी. अंबरनाथ के तहसीलदार अमित पुरी ने प्रहार जनशक्ति पक्ष के शहराध्यक्ष आलम खान को ऐसा लिखित पत्र दिया है. पत्र में लिखा है कि सार्वजनिक बांधकाम विभाग कल्याण 8 दिनों में जिलाधिकारी कार्यालय में नई लिफ्ट बिठाने के लिए प्रस्ताव भेजेगा और नई लिफ्ट बिठाने में तीन महिने लग जाएंगे. तब तक दिव्यांगों एवं ज्येष्ठ नागरिकों के लिए दो व्हीलचेयर आने-जाने के लिए उपलब्ध करके दिए गए हैं. ग्राउंड फ्लोर पर दिव्यांगों, ज्येष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कक्ष कार्यान्वित किया गया है.

विदित हो कि 16 सितंबर को प्रहार जनशक्ति पक्ष द्वारा इन मुद्दों को लेकर तहसील कार्यालय के समक्ष धरना आंदोलन करके तहसीलदार के खिलाफ नारेबाजी की गई थी. धरना आंदोलन का असर अब दिखने लगा है. पक्ष ने ये भी मांग किया था कि पोतदार इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल जो कि मोहन सबरबिया परिसर में शुरू है. स्कूल ने अंबरनाथ नपा से अनुमति ली है या नहीं. इसके उत्तर में तहसीलदार ने कहा है कि उसकी पूरी जानकारी ली जा रही है. जानकारी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी. साथ ही अंबरनाथ तालुका में अवैध रूप से शुरू स्कूलों पर कार्रवाई करने के निर्देश शिक्षण अधिकारी को तहसीलदार ने दिए हैं. प्रहार जनशक्ति के अध्यक्ष आलम खान ने तहसीलदार द्वारा उनको दिए गए पत्र पर समाधान व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर तीन महिने में तहसील कार्यालय की लिफ्ट शुरू नहीं हुई तो वह फिर से आंदोलन करेंगे.

बारिश के साथ डांडिया की ताल!

- कहीं आफत तो कहीं बारिश में गरबा की रौनक

कल्याण. जिस तरह इस साल की वापसी की बारिश खेती को कुछ नुकसान पहुँचा रही है, उसी तरह त्योहारों पर भी बारिश का कहर बरपा रहा है। सोमवार को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ शुरू हुआ गरबा उत्सव शाम को बारिश के कारण खलल डाल गया, जिससे कई गरबा प्रेमियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने मूसलाधार बारिश में भी अपने दोस्तों के साथ गरबा का आनंद लिया। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक इसी तरह बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है, इसलिए इस साल की नवरात्रि चर्चा में है।

सोमवार को ठाणे जिले में दिन भर बूंदाबांदी और भारी बारिश होती रही। शाम को, जहाँ कई स्थानों पर नियोजित गरबा कार्यक्रम चल रहे थे, वहीं बारिश की फुहारों ने नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ा। लोग उन मैदानों में छतरियों के नीचे खड़े दिखाई दिए जहाँ पहले हज़ारों लोग इकट्ठा होते थे। कुछ जगहों पर नृत्य मंडप खुले रहे, जबकि कुछ मंडलियों ने कार्यक्रमों को रोकने या समय कम करने का निर्णय लिया। इससे आयोजक और गरबा प्रेमी स्तब्ध दिखे। हर साल की तरह, जिले के ठाणे शहर, डोंबिवली, कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर में भव्य डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया है। लाखों-करोड़ों की लागत से बड़े नेताओं द्वारा बनाए गए मंडप, आकर्षक सजावट और प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा कार्यक्रम इन उत्सवों की विशेषता हैं। हालांकि, बारिश ने यहां काफी परेशानियां भी पैदा कीं। दर्शकों की उपस्थिति भी अपेक्षा से कम रही, जिससे आयोजकों को निराशा हुई। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। इसलिए, आशंका है कि बाकी नवरात्रि भी बारिश में ही मनाई जाएगी। एक ओर, हालांकि बारिश ने उत्सव में खलल डाला है, वहीं दूसरी ओर, भक्तिमय माहौल, भक्तों का उत्साह और सांस्कृतिक रंग अभी भी दिखाई दे रहे हैं।

'बारिश में गरबा'

यह तय है कि ठाणे जिले में नवरात्रि उत्सव इस साल 'बारिश में गरबा' के रूप में याद किया जाएगा। नागरिक इस साल बारिश के साथ देवी की आराधना और गरबा की लय का अनूठा संगम अनुभव कर रहे हैं। हालांकि, ऐसी तस्वीर हर जगह देखने को नहीं मिली। कई इलाकों में नागरिकों ने बारिश के बावजूद गरबा खेलने का आनंद लिया। रेनकोट पहने युवाओं ने उत्साह से झूमते हुए नवरात्रि के रंग को बनाए रखा। दर्शकों ने भी छाते के सहारे कार्यक्रम का आनंद लिया। कुछ जगहों पर बारिश के कारण बारिश होने के बावजूद, पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया खेलकर उत्सव की रौनक बढ़ा दी। नागरिकों ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा, 'माँ की पूजा और नवरात्रि का आनंद बारिश के कारण नहीं रुक सकता।'

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

अमेरिकी हितों पर पड़ सकता है विपरीत प्रभाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कुछ समय से जिस तरह के फैसले ले रहे हैं, उसमें एक विचित्र अस्थिरता दिख रही है। इससे यह भी पता चलता है कि वे शायद हड़बड़ी में ऐसे नीतिगत फैसले भी ले रहे हैं, जिनमें थोड़े ही वक्त बाद उन्हें बदलाव करना पड़ता है। बीते हफ्ते शुक्रवार को उन्होंने एच1बी वीजा के लिए लागत में पचास गुना बढ़ोतरी करके उसे एक लाख डालर यानी करीब अठासी लाख रुपए करने की घोषणा कर दी। इस शुल्क का भुगतान एकमुश्त करना होगा।

जाहिर है, इसके बाद व्यापक पैमाने पर चिंता जताई जाने लगी कि अगर यह घोषणा अमल में आई तो खासतौर पर वहां भारतीयों के सामने कैसी स्थितियां पैदा होंगी, वे कैसे और कितने दिन टिक सकेंगे। मगर जैसे ही इसके असर की व्यापकता बहस का मुद्दा बनी, उसमें यह पक्ष भी सामने आया कि अगर यह अमल में आता है तो इससे खुद अमेरिकी हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसके बाद मची उथल-पुथल के बीच इस मसले पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश की गई और पहले के फैसले को बदलते हुए कहा गया कि यह शुल्क सिर्फ नए आवेदकों पर लागू होगा और एक बार ही देना पड़ेगा।

निश्चित रूप से वहां एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों के लिए फिलहाल यह राहत की बात होगी कि ताजा फैसले की जद में वे नहीं आएंगे। मगर पिछले कुछ समय में ऐसे कई उदाहरण सामने आए, जिनमें ट्रंप ने बार-बार अपने फैसले में बदलाव किया। यह स्थिति तब है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और आए दिन ऐसे संकेत सामने आ रहे हैं, जिससे पता चलता है कि परिस्थितियों में बदलाव भी आ सकता है।

इस क्रम में भारत पर दबाव बनाने के मकसद से अमेरिका ने आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगा दिया और यहां तक कि रूस से तेल खरीदने के मामले में भी गैरजरूरी दखल देने की कोशिश की। सवाल है कि इसका असर आखिर क्या पड़ रहा है। अब तेजी से बदलती भू-राजनीतिक कूटनीति के दौर में वैश्विक समीकरण भी बदल रहे हैं। ऐसे में अमेरिका को शायद यह समझने की जरूरत है कि द्विपक्षीय संबंधों में बराबरी के स्तर पर एक दूसरे के हितों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

आधुनिक जीवनशैली में आयुर्वेद की बढ़ गई आवश्यकता

अथर्ववेद में वर्णित आयुर्वेद वह विज्ञान है, जो आयु अर्थात जीवन का ज्ञान देता है। हर वह व्यक्ति जो स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करता है, उसे आयुर्वेद को जानना एवं अपनाना चाहिए, क्योंकि आयुर्वेद न केवल मनुष्य को निरोग रखने पर बल देता है, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का संदेश देता है।

आयुर्वेद इसलिए विशिष्ट है, क्योंकि यह शरीर की व्याधियां दूर करने के साथ मन के दोषों का भी निदान करता है। इसीलिए योग और ध्यान भी आयुर्वेद के अंग हैं। मान्यता है कि आयुर्वेद को स्वयं ब्रह्मा जी से भगवान धन्वंतरी और उनके उपरांत विभिन्न ऋषियों एवं महर्षियों जैसे सुश्रुत, चरक आदि द्वारा जनकल्याण हेतु प्रतिपादित किया गया। इसके उद्देश्य को यह श्लोक प्रकट करता है-

स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं
आतुरस्य विकार प्रशमनं च॥

अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा रोगी के रोग का प्रशमन करना ही आयुर्वेद का प्रयोजन है। संपूर्ण ब्रह्मांड पंचमहाभूत अर्थात आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी से बना है। इसी सिद्धांत पर आयुर्वेद आधारित है। आयुर्वेद की मान्यता है कि ब्रह्मांड हो या सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव, सभी का मूल एक ही है। यही पंचमहाभूत शरीर में दोष, धातु एवं मल के रूप में विद्यमान रहते हैं। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में तीन दोष वात, पित्त, कफ माने गए हैं। इन दोषों की समवस्था ही मनुष्य में स्वास्थ्य को परिभाषित करती है।

जहां अधिकांश चिकित्सा पद्धतियां विशेषकर पश्चिमी चिकित्सा पद्धतियां मात्र मनुष्य के भौतिक शरीर के रोगों को ठीक करने पर केंद्रित हैं, वहीं आयुर्वेद जीवन के सभी क्षेत्रों में मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक है। इसीलिए उसे संपूर्ण चिकित्सा पद्धति कहा गया है। दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग, आहार आदि मूलभूत जीवनशैली द्वारा एवं प्रकृति से प्राप्त हानिरहित फल-फूल, जड़ी-बूटी, खनिजों इत्यादि द्वारा चिकित्सा का प्रविधान आयुर्वेद में ही मिलता है।

आयुर्वेद हमें सिखाता है कि कैसे जीवन में अप्राप्त की प्राप्ति की जाए, प्राप्त का रक्षण किया जाए, रक्षित की वृद्धि की जाए एवं जो वर्जित है, उसका त्याग किया जाए। यही स्वस्थ एवं सुखी जीवन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में प्रारंभ से ही आयुर्वेद हमारी संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न अंग रहा, पर कालांतर में आक्रांताओं द्वारा भारतीय संस्कृति को नष्ट करने की प्रवृत्ति एवं दासता की मानसिकता के चलते आयुर्वेद का क्षरण हुआ। इसके उपरांत अंग्रेजी सत्ता में आयुर्वेद को समाप्त करने का प्रयास किया गया और आयुर्वेद को निष्प्रभावी बताकर पश्चिमी चिकित्सा को ही महत्व दिया गया।

आयुर्वेद को श्रीहीन करने के लिए आयुर्वेद चिकित्सकों, वैद्यों को झोलाछाप अर्थात नकली डाक्टर कहा गया। कोविड महामारी के समय आयुर्वेदिक औषधियां कोरोना वायरस के प्रभाव को समाप्त करने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुईं। इस कारण आयुर्वेद के प्रति पुनः विश्वास एवं रुचि जाग्रत हुई। वर्तमान में भारत सरकार एवं उसकी संस्थाओं द्वारा आयुर्वेद को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं शुरू करने के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधाएं बढ़ाने के जो प्रयत्न किए जा रहे हैं उनसे भी आयुर्वेद का प्रभाव और उसके प्रति भरोसा बढ़ रहा है।

आयुर्वेद प्रकृति पर आधारित विज्ञान है। इस कारण प्रकृति का संरक्षण ही आयुर्वेद का संरक्षण है। यह हम सबकी चिंता का विषय बनना चाहिए कि आयुर्वेदिक औषधियों में उपयोग होने वाली वनस्पतियां, खनिज आदि दुर्लभ होते जा रहे हैं या फिर उनकी उपलब्धता कम हो रही है। इन्हें संरक्षित करना आयुर्वेद के लिए एक बड़ी चुनौती है। वन संरक्षकों एवं किसानों को औषधि के रूप में प्रयोग होने वाली वनस्पतियों, पौधों, वृक्षों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इसका लाभ केवल आयुर्वेद को ही नहीं, ग्रामीणों और विशेष रूप से किसानों को भी होगा। आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता स्थापित करने के लिए मानक नियमों का पालन भी समय की मांग है।

कल्पना कीजिए कि हमारा विश्व कितना सुंदर हो जाएगा यदि प्रत्येक व्यक्ति सृष्टि के हरेक स्वरूप में प्रभु का प्रकाश देखने लगे!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जीएसटी में सुधार का जल्द दिखेगा असर

पिछले दिनों जीएसटी में सुधार के तहत जो रियायत दी गई, उस पर अमल शुरू हो गया और प्रधानमंत्री ने इस अवसर को बचत उत्सव की संज्ञा दी। उन्होंने लोगों से यह अपील भी की कि वे स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदें। ऐसा होना भी चाहिए, लेकिन क्या हमारे उद्योग उपभोक्ताओं की जरूरत की सभी वस्तुओं का निर्माण कर पा रहे हैं और क्या उनकी गुणवत्ता विश्वस्तरीय है? इन प्रश्नों के समक्ष है हमारा उद्योग जगत।

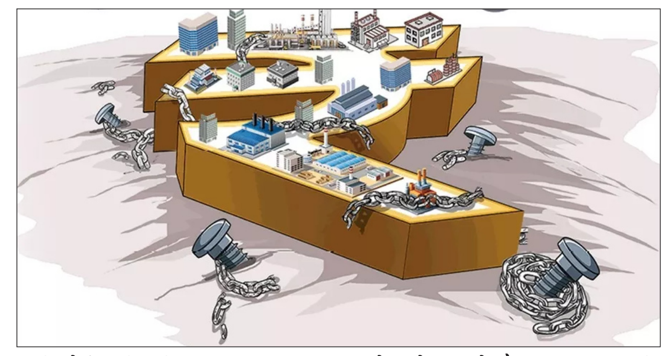

उसके कारण ही चीनी वस्तुओं पर निर्भरता खत्म होने का नाम नहीं ले रही है और चीन के साथ व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा है। ऐसा नहीं है कि स्वदेशी की राह पर चलने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की बातें अभी की जा रही हैं। इन बातों पर कोविड महामारी के दौरान ही बल दिया जाने लगा था, लेकिन नतीजे अपेक्षा के अनुरूप नहीं निकले।

इसका मुख्य कारण है भारतीय उद्योग जगत की शोध एवं विकास के प्रति अनिच्छा। शोध एवं विकास के अभाव में ही वह वैसे नवाचार नहीं कर पा रहा है, जैसे अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियां करती हैं और जिनमें हमारे युवाओं को नौकरियां पाने में आसानी होती है। शोध एवं विकास का अभाव तब है, जब बड़े उद्योगों के पास धन की कहीं कोई कमी नहीं।

यह चिंता की बात है कि भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में अपना स्थान नहीं बना पा रहे हैं। यदि भारतीय उद्योग जगत विश्व बाजार में अपना स्थान नहीं बना पाएगा तो फिर भारत आत्मनिर्भर कैसे बनेगा? आत्मनिर्भरता का यह अर्थ नहीं कि भारत में निर्मित वस्तुएं केवल भारत में ही बिकें। दुर्भाग्य से अभी तो अनेक ऐसी वस्तुएं जो देश में आसानी से निर्मित हो सकती हैं, उन्हें आयात करना पड़ रहा है।

इसका एक कारण आयातित वस्तुओं का सस्ता होना भी है और भारत में निर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता संतोषजनक न होना भी। यह तकनीक का युग है और भारतीय युवाओं की तकनीकी दक्षता किसी से छिपी नहीं, लेकिन उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर विदेश में दिखते हैं। आखिर भारतीय कंपनियां उन्हें देश में ही रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम क्यों नहीं?

यदि वे ऐसा कर पातीं तो शायद अमेरिका की ओर से एच-1बी वीजा फीस में अप्रत्याशित वृद्धि चिंता और अनिश्चतता नहीं पैदा करती। सरकार एक लंबे समय से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खरा उतरने के लिए प्रेरित कर रही है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है।

यह सही समय है कि सरकार उन कारणों का पता लगाए, जिनके चलते हमारे सक्षम उद्योग भी शोध एवं विकास की राह नहीं पकड़ रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकारी तंत्र में कुछ ऐसी खामियां हैं, जिनके चलते उद्योग जगत अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वाह करने में आनाकानी कर रहा है।

दारू के चक्कर में ऐसा फंसा शख्स का सिर

जरा हट के

गांव-शहर की गलियों में शराब की दुकानों के बाहर अक्सर भीड़ लगी रहती है. कुछ लोग नशे की आदत से परेशान रहते हैं तो कुछ लोग मजाकिया किस्सों में उलझ जाते हैं. लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा जिसे देख लोग अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं. दरअसल, इस वीडियो में ऐसा हुआ कि शराब की चाहत ने एक आदमी को ऐसी मुसीबत में डाल दिया जिसकी कल्पना उसने खुद भी नहीं की होगी. यह घटना हंसी और सबक दोनों से भरपूर है. इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों ने मजेदार प्रतिक्रियाएं दी हैं.

एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है. इस वीडियो को navinsharma2.0 नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा है – 'दारू बदनाम.' इस वीडियो में एक शख्स शराब लेते हुए दिख रहा है. मजेदार बात यह है कि वह शख्स जिस खिड़की से दुकानदार को पैसे देता है और शराब लेता है, उसी खिड़की में उसने अपना सिर डाल लिया. इसके बाद वह उसे बाहर निकालने की बहुत कोशिश करता है, लेकिन निकाल नहीं पाता. फिर आस-पास खड़े लोगों की मदद और काफी जद्दोजहद के बाद उसका सिर आखिरकार बाहर निकल पाता है.

इस वीडियो को जब ही navin sharma2.0 नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर डाला, उसके तुरंत बाद यह वीडियो वायरल होने लगा. अभी तक इस वीडियो को 20 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं, 30 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है और 200 से ज्यादा लोगों ने इस पर कमेंट किया है.

वीडियो के कमेंट सेक्शन में लोग मजेदार अंदाज में अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'कुछ भी हो जाए, दारू नहीं छोड़ूंगा.' दूसरे ने लिखा- 'शीशी हाथ से नहीं छूटेगी, कुछ भी हो जाए.' तीसरे ने लिखा- 'अगर दारू के चंगुल में फंसना का एक चेहरा होता.' एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा- 'बंदे की दारू के प्रति लॉयल्टी देख रहे हो, अपनी जान की परवाह ही नहीं है.' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'दारू का चक्कर, बाबू भईया.'

खाना-खजाना

समा के चावल की खिचड़ी

नवरात्र का त्योहार शुरू हो चुका है। इस दौरान देवी के अराधना के साथ लोग उपवास भी करते हैं। अगर आपने भी नवरात्र का उपवास रखा है, तो फलाहार के लिए समा के चावल की खिचड़ी बना सकते हैं। यह पौष्टिक भी होता है और बनाने में भी काफी आसान है। आइए जानें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप समा के चावल
- 1/2 कप भुनी हुई मूंगफली
- 1-2 हरी मिर्च
- 1/2 इंच अदरक
- 1 टमाटर
- 1 उबला हुआ आलू
- 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच देसी घी या तेल
- 1 चम्मच नींबू का रस
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- बारीक कटा हुआ धनिया पत्ता

विधि :

सबसे पहले समा के चावल को धोकर 10-15 मिनट के लिए भिगो दें, ताकि वे पकने में कम समय लें। अब एक कड़ाही में घी गरम करें, फिर जीरा डालें और इसे भुनने दें।

इसके बाद हरी मिर्च और अदरक डालकर कुछ सेकेंड भूनें। अगर आप टमाटर डालना चाहते हैं, तो उन्हें भी डालें और नरम होने तक पकाएं।

अब उबले हुए आलू और सेंधा नमक डालकर 2-3 मिनट तक भूनें। भीगे हुए समा के चावल को पानी से निकालकर कुकर में डालें और इसे अच्छी तरह मिला लें।

अब इसमें 2 कप पानी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं।

कुकर को बंद कर दें और तीन सीटी तक पकाएं।

इसके बाद ढक्कन हटाकर चेक करें कि चावल नरम हो गए हों।

पकी हुई खिचड़ी में भुनी हुई मूंगफली और नींबू का रस मिलाएं और गैस बंद कर दें।

ऊपर से बारीक कटी हुई धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

मसल्स गेन के लिए 5 प्रोटीन से भरपूर नाश्ता

थकान और कमजोरी से मिलेगा छुटकारा

जब बात मसल्स गेन की हो, तो सुबह का नाश्ता सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि आपकी मांसपेशियों को पोषण देने के लिए होना चाहिए। एक सही और प्रोटीन से भरपूर नाश्ता आपको पूरे दिन ऊर्जावान रखता है और वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद करता है। सुबह के समय प्रोटीन लेना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि रात भर शरीर में प्रोटीन का लेवल कम हो जाता है। आइए, जानते हैं ऐसे 5 हाई-प्रोटीन ब्रेकफास्ट ऑप्शन्स के बारे में जो न सिर्फ स्वादिष्ट हैं, बल्कि आपकी मसल्स गेन की राह को भी आसान बनाएंगे।

■ अंडे

अंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और सस्ता स्रोत माना जाता है। एक बड़े अंडे में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है। अंडे में सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड्स होते हैं, जो मसल्स बनाने के लिए बहुत जरूरी हैं। आप इन्हें कई तरह से बना सकते हैं:

उबले अंडे: सबसे आसान और सबसे सेहतमंद तरीका।

ऑमलेट: प्याज, टमाटर और हरी मिर्च डालकर एक स्वादिष्ट ऑमलेट बनाएं।

एग भुर्जी: इसे पनीर या सब्जियों के साथ मिलाकर और भी पौष्टिक बना सकते हैं।

■ ग्रीक योगर्ट

साधारण दही के मुकाबले ग्रीक योगर्ट में दोगुना प्रोटीन होता है। यह पेट के लिए भी अच्छा होता है और वर्कआउट के बाद की रिकवरी में मदद करता है। इसे सीधे खाएं या इसमें ताजे फल जैसे बेरीज, केला और कुछ नट्स मिलाकर एक टेस्टी बाउल तैयार करें। आप इसमें थोड़ा-सा शहद या पीनट बटर भी मिला सकते हैं।

■ पनीर

पनीर सिर्फ स्वाद में ही लाजवाब नहीं होता, बल्कि यह प्रोटीन का एक शानदार शाकाहारी स्रोत भी है। यह धीरे-धीरे पचता है, जिससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती।

पनीर भुर्जी: इसे आप सुबह नाश्ते में रोटी या ब्राउन ब्रेड के साथ खा सकते हैं।

पनीर पराठा: अगर आप इंडियन ब्रेकफास्ट के शौकीन हैं तो पनीर पराठा एक बढ़िया ऑप्शन है।

पनीर सैलेड: कच्चे पनीर को खीरा, टमाटर और थोड़े नमक-मिर्च के साथ मिलाकर खाएं।

■ ओट्स और पीनट बटर

ओट्स में भरपूर फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्ब्स होते हैं जो आपको लंबे समय तक एनर्जी देते हैं। इसे प्रोटीन से भरपूर बनाने के लिए इसमें पीनट बटर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

दूध में ओट्स पकाएं और उसमें एक बड़ा चम्मच पीनट बटर मिला दें।

ऊपर से थोड़े कटे हुए बादाम या अखरोट डाल सकते हैं। यह नाश्ता आपको दिन भर के लिए तैयार कर देगा।

■ प्रोटीन स्मूदी

अगर आपके पास सुबह बिलकुल भी समय नहीं है तो प्रोटीन स्मूदी सबसे अच्छा उपाय है। इसे बनाना बहुत आसान है और आप इसे कहीं भी पी सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। आलस्य से बचकर रहें। काम की व्यस्तता निजी ज़िंदगी पर भारी पड़ेगी।

वृषभ : राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यायाम में एक्सेस से बचें, आराम भी जरूरी है।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। अधिक लोभ-लालच न करें। यात्रा में दिक्कतों के साथ ही लाभ भी मिलेगा।

कर्क : शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं। सेहत संबंधी समस्याओं से निपटना पड़ेगा।

सिंह : रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी। व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है।

कन्या : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी। नेगेटिव फिलिंग से दूर रहें, टेंशन दूर होगा।

तुला : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यापार सामान्य चलेगा। प्रॉपर्टी खरीदे जाने की प्रबल संभावना है।

वृश्चिक : चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्च का बोझ बढ़ेगा। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जा सकते हैं।

धनु : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा। आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। इन दिनों कई सकारात्मक परिवर्तन होंगे।

मकर : योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

कुंभ : राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। यात्रा में सावधानी रखें। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी।

मीन : फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं। साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र में नि:स्वार्थ सेवा कर सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गैस या पेट में जलन...

■ शरीर में दिखे ये लक्षण तो हो सकता पेट का कैंसर
■ समय रहते कर लें उपचार

पेट का कैंसर या स्टमक कैंसर एक गंभीर रोग है, जिसे अक्सर शुरुआती चरण में पहचानना मुश्किल होता है. यह कैंसर तब शुरू होता है जब पेट की परतों में असामान्य कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और धीरे-धीरे ट्यूमर का रूप ले लेती हैं. शुरुआती दौर में इसके लक्षण सामान्य पेट की परेशानियों जैसे अपच या गैस के साथ मिल सकते हैं, इसलिए इसे अनदेखा करना खतरनाक साबित हो सकता है. पेट के कैंसर की पहचान के लिए शरीर में कुछ स्पष्ट संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है.

सबसे पहला और सामान्य लक्षण है पेट में लगातार दर्द या असहजता. यह दर्द आमतौर पर भोजन के बाद बढ़ता है और कभी-कभी तेज हो जाता है. शुरुआत में यह हल्का और समय-समय पर महसूस होता है, लेकिन जैसे-जैसे कैंसर बढ़ता है, दर्द लगातार और तीव्र हो जाता है. इसके साथ ही भूख में कमी और वजन घटने का संकेत भी देखने को मिलता है. बिना किसी प्रयास के अचानक वजन का घट जाना पेट के कैंसर का एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है.

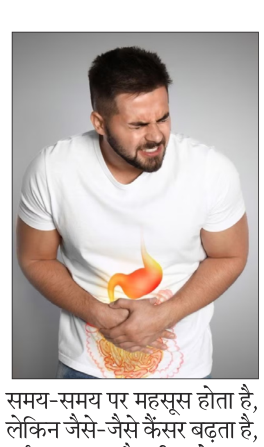

उल्टी और मिचली भी स्टमक कैंसर के आम लक्षणों में शामिल हैं. विशेषकर अगर उल्टी में खून दिखाई दे या उल्टी लगातार बनी रहे, तो इसे गंभीर रूप में लेना चाहिए. इसके अलावा, पेट में सूजन या गैस्ट्रिक ब्लॉकेज के कारण भूख कम लगना और भोजन पचने में परेशानी होना भी आम है. कभी-कभी मरीजों को खाना खाने के बाद पेट भारी महसूस होना, पेट में जलन या एसिडिटी की समस्या लगातार बनी रहना जैसे संकेत दिखाई देते हैं. पेट के कैंसर के दौरान ब्लड स्टूल या ब्लडिंग भी हो सकती है. अगर मल में खून दिखाई दे, रंग काला हो जाए या मल में असामान्य बदलाव महसूस हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. साथ ही थकान और कमजोरी का अनुभव होना भी लक्षणों में शामिल है. शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी और पोषण की कमी के कारण मरीज लगातार थका हुआ महसूस कर सकता है.

इन लक्षणों के साथ अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक अनजाने में पेट में गैस, अपच या भूख में कमी अनुभव करता है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. शुरुआती पहचान और सही समय पर इलाज, जैसे एंडोस्कोपी, बायोप्सी और मेडिकल ट्रीटमेंट, जीवन बचाने में मदद कर सकते हैं. पेट के कैंसर का खतरा उम्र बढ़ने के साथ बढ़ जाता है, लेकिन खान-पान, धूम्रपान और शराब जैसी आदतें भी इसे बढ़ा सकती हैं.

छोटी सी लौंग है बड़ी काम की

अगर आप दांत दर्द से परेशान रहते हैं, और तुरंत राहत पाना चाहते हैं. तो आपके लिए लौंग किसी औषधि से कम नहीं है. आयुर्वेद में लौंग का इस्तेमाल सदियों से दांत और मसूड़ों की समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता रहा है. दांत में अचानक तेज दर्द होने पर सिर्फ एक या दो लौंग के दाने प्रभावित दांत के नीचे दबाकर रखने से दर्द कुछ ही मिनटों में कम हो जाता है. इसका कारण है लौंग में मौजूद यूजेनॉल नामक तत्व, जो प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और पेनकिलर का काम करता है. लौंग सिर्फ दांत दर्द ही नहीं, बल्कि मुंह की दुर्गंध को भी दूर करने में मदद करती है. अगर किसी व्यक्ति को सांसों की बदबू की समस्या रहती है, तो रोजाना सुबह एक लौंग चबाना फायदेमंद साबित हो सकता है. इससे मुंह के बैक्टीरिया नष्ट होते हैं और लंबे समय तक ताजगी बनी रहती है.

■ पाचन के लिए भी उपयोगी है लौंग

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. ऐंजल पटेल बताते हैं कि लौंग का सेवन पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है. रोज सुबह खाली पेट एक लौंग चबाने से गैस, एसिडिटी और अपच जैसी परेशानियों से राहत मिलती है. यह पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है और शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है. इसके साथ ही लौंग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है और रक्त संचार में सुधार करती है.

■ सर्दी-जुकाम में लौंग का इस्तेमाल

गले की खराश, खांसी और सर्दी-जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों में भी लौंग का सेवन बेहद लाभकारी माना जाता है. ठंड के मौसम में लोग लौंग की चाय पीते हैं, जिससे गले को आराम मिलता है. बलगम भी साफ होता है. छोटे बच्चों को भी खांसी होने पर लौंग का पानी पिलाने से आराम मिलता है. लौंग में मौजूद औषधीय गुण शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं. यही कारण है कि इसे सिर्फ मसाले के रूप में ही नहीं बल्कि औषधि के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है. प्राकृतिक उपचार की चाह रखने वाले लोग अगर अपनी दिनचर्या में लौंग को शामिल करें, तो यह दांत दर्द, पाचन की समस्या, खांसी-जुकाम और बदबू जैसी परेशानियों से छुटकारा पाने में बेहद कारगर साबित हो सकती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में दर्दनाक हादसा, निर्माणधीन मकान की छत ढहने से तीन मजदूरों की मौत, चार घायल

सुल्तानपुर. यूपी के सुल्तानपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां लंभुआ तहसील में एक निर्माणाधीन मकान की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। हादसे में दो सगे मजदूर भाइयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। ये घटना लंभुआ तहसील के धरियामऊ गांव का है। जहां राम तीर्थ धुरिया नाम के शख्स ने मकान निर्माण का ठेका राम मिलन वर्मा को दे रखा था। सोमवार को उनके मकान में 20×30 एरिया में छत डाली गई। छत की शटरिंग एकाएक खुल गई और छत भरभरा कर गिर पड़ी। बताया जा रहा है कि छत पर जहां पांच मजदूर शामिल थे वही मिक्चर मशीन के पास एक दर्जन मजदूर खडे थे। घटना में छत पर खड़े तीन मजदूर घायल हुए। इनमें सुभाष(36), अफसर अली (40), रवि सरोज (26) को तत्काल सीएचसी लाया गया। यहां से गंभीर हालत में रवि को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

पिता की तीसरी शादी पर गुस्से से बेकाबू हुआ बेटा, बेरहमी से की हत्या; सौतेली मां भी घायल

कुशीनगर. यूपी के कुशीनगर के कसया थाना क्षेत्र के चिरगोड़ाधूसी में रविवार की देर रात बेटे ने पिता पर रॉड और चाकू से हमला करने के बाद छत से फेंक दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। उसने बीच-बचाव करने पहुंची सौतेली मां को भी घायल कर दिया। पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। चिरगोड़ा धूसी निवासी ईश्वर यादव (55) की पहली पत्नी से दो बेटे विवेक और सत्येंद्र यादव हैं। विवेक शादी के बाद परिवार को लेकर बाहर चला गया। ईश्वर ने पहली पत्नी की मौत के बाद दूसरी शादी की थी। कुछ समय बाद दूसरी पत्नी कहीं चली गई तो उन्होंने अंजली से तीसरी शादी कर ली। सत्येंद्र पांच दिन पहले बाहर से कमाकर घर आया था। पिता-पुत्र में तीसरी शादी को लेकर विवाद शुरू हो गया। गुस्से में सत्येंद्र ने पिता पर पहले लोहे की रॉड और चाकू से हमला कर दिया और फिर छत से नीचे फेंक दिया। ईश्वर की मौके पर ही मौत हो गई।

मैनपुरी में शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसे बदमाशों ने की लूट

मैनपुरी. कस्बा के मोहल्ला पथरिया में शादी का कार्ड देने के बहाने आए दो बदमाशों ने शिक्षक की पत्नी को बंधक बनाकर दिनदहाड़े लूटपाट की। बदमाशों ने शादी का कार्ड देने की बात कहकर घर का गेट खुलवाया और चाकू तथा तमंचे दिखाकर महिला को घर के अंदर ले गए। बदमाश 25 हजार की नकदी और डेढ़ लाख के आभूषण लूटकर बदमाश भाग निकले। घटना से इलाके में दहशत फैल गई है।

क्या है कांग्रेस की बूथ रक्षक योजना?

- चार राज्यों में राहुल गांधी का नया दांव
- पायलट प्रोजेक्ट शुरू

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी अभियान से उत्साहित कांग्रेस ने अब चार राज्यों की कुल पांच लोकसभा सीटों पर 'बूथ रक्षक योजना' की शुरुआत की है। फिलहाल यह एक पायलट प्रोजेक्ट है। इस योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग देना है, ताकि वे अपने-अपने इलाकों में मतादाता सूची में गड़बड़ी और अनियमितताओं का पता लगा सकें और उसे उजागर कर सकें।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत पार्टी ने जिन चार राज्यों के पांच लोकसभा क्षेत्रों को चयन किया है, उनमें राजस्थान के अलवर और

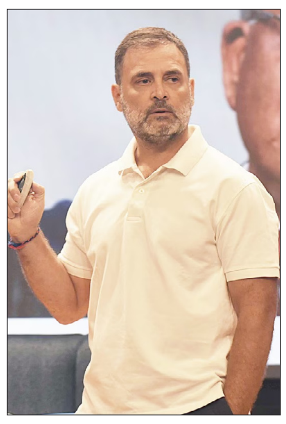

जयपुर ग्रामीण सीट है। इसके अलावा मध्य प्रदेश का मुरैना, छत्तीसगढ़ का जांजपुर-चांपा और उत्तर प्रदेश का बांसगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल है। इन सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार 2024 का लोकसभा चुनाव बहुत ही कम वोट मार्जिन से हारे थे।

वोट चोरी पकड़ने का प्रशिक्षण

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक सूत्र ने बताया, 'केंद्रीय टीम स्थानीय नेतृत्व को वोट चोरी पकड़ने का प्रशिक्षण दे रही है; यह जिन निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर रही है, वहाँ के प्रत्येक बूथ की मतदाता सूचियों की जाँच कर रही है।' एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय नेताओं को चुनावी प्रक्रिया में फॉर्म 6, 7 और 8 के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। यानी मतदाता सूची में किस आधार पर नाम जोड़े गे हैं और किस आधार पर नाम हटाए गए हैं., उसकी जांच परख करने के लिए बूथ स्तरीय टीम को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

10 बूथों का प्रभारी होगा बूथ रक्षक

पायलट प्रोजेक्ट के तहत हरेक बूथ रक्षक 10 बूथों का प्रभारी होगा। उसके मातहत 10 बूथ स्तरीय एजेंट भी काम करेंगे। पार्टी ने केंद्रीय स्तर पर भी इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के लिए पांच सदस्यों की एक टीम बनाई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बूथ रक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। ये टीम बूथ स्तर पर जाकर मतदाता सूची का गहनता से अवलोकन और पुनरीक्षण कर रही है। कांग्रेस सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम मतदाता सूचियों में अनियमितताओं के आँकड़े इकट्ठा कर रही है, जिन्हें आगे की जाँच के लिए कांग्रेस आलाकमान को सौंपा जाएगा।

अलीगढ़ में 4 दोस्तों समेत 5 की जिंदा जलकर मौत

- तेज रफ्तार CNG कार का टायर फटा
- डिवाइडर तोड़ते हुए कैंटर से टकराई

अलीगढ़. अलीगढ़ में हाईवे पर चार दोस्त समेत 5 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। यहां 100 की स्पीड से जा रही सीएनजी कार का अचानक टायर फट गया। इससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड से जा रहे कैंटर से जा टकराई।

राहगीरों ने एक कार सवार को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद तेज धमाका हुआ, फिर दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे के दौरान कार में 5 लोग सवार थे। इनमें चार लोग और कैंटर चालक जिंदा जल गए। कार चला रहे लड़के का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची। 20-25 मिनट में आग बुझाई गई। इसके बाद पुलिस ने देखा तो शवों के सिर्फ कंकाल बचे थे। बॉडी बैग में पुलिस सभी शवों को भरकर ले गई। मरने वालों में दो मौसेरे भाई थे।

पुलिस के मुताबिक, सभी कार सवार हाथरस के रहने वाले थे, जो आपस में दोस्त थे। कार एटा से अलीगढ़, जबकि कैंटर अलीगढ़ से एटा की तरफ जा रहा था। हादसा अकराबाद थाना क्षेत्र के गोपी पुल के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ।

पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से मौत

अहमदाबाद सिटी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से सोमवार की शाम मौत हो गई। तबियत बिगड़ने पर उन्हें रविवार की रात केडी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। जांच में पता चला था कि रेबीज का इंफेक्शन उनके पूरे शरीर में फैल गया है। 50 साल के इंस्पेक्टर वनराजसिंह मंजारिया 25 सालों से पुलिस बल में काम करते थे। उनके रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें डॉग्स पालने का बहुत शौक था।

एम करुणानिधि की मूर्ति लगाने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

तमिलनाडु सरकार से कहा- नेताओं के महिमामंडन के लिए जनता के पैसों का इस्तेमाल न करें

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि नेताओं का महिमामंडन करने के लिए जनता के पैसों का इस्तेमाल क्यों किया जाए। राज्य सरकार पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की मूर्ति लगाने की परमिशन के लिए याचिका लेकर पहुंची थी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा- इसकी अनुमति नहीं है। आप अपने पूर्व नेताओं के महिमामंडन के लिए जनता के पैसों का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से याचिका वापस लेने और मद्रास हाईकोर्ट जाने को कहा। मद्रास हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर मूर्तियां लगाने पर रोक लगा दी थी।

तमिलनाडु सरकार ने

तिरुनेलवेली में मुख्य सड़क पर वल्लियूर डेली वेजिटेबल मार्केट के एंट्री गेट पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की कांस्य प्रतिमा और नाम बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था।

मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

मद्रास हाईकोर्ट ने स्टालिन सरकार की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी मूर्तियों को लगाने से अक्सर ट्रैफिक जाम होता है और जनता को असुविधा होती है। कोर्ट ने कहा था, 'संविधान के तहत नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी अनुमतियों पर रोक लगा दी है, तो राज्य आदेश जारी नहीं कर सकता।'

2022 में भी मद्रास हाईकोर्ट ने अरुणाचलेश्वर मंदिर के पास तिरुवन्नामलाई में गिरिवलम में करुणानिधि की प्रतिमा के निर्माण पर रोक लगा दी थी।

सूरत सरकारी हॉस्पिटल में आसाराम की पूजा-आरती

- शिशु रोग विभाग की डॉक्टर समेत स्टाफ शामिल हुआ
- सिर्फ सिक्योरिटी गार्ड को सजा

सूरत. रेप के आरोपी आसाराम की फोटो की पूजा-आरती करने का वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो गुजरात में सूरत के सरकारी अस्पताल का है।

सोमवार देर शाम यहां आसाराम समर्थकों के एक समूह ने मेन गेट पर आसाराम की एक फोटो रखकर पूजा-आरती का आयोजन किया था। आरती के दौरान मंत्रोच्चार और भजन हुए। आरती में शिशु रोग विभाग की वरिष्ठ डॉ. जिगिशा पटाडिया, नर्स और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हुए। वीडियो वायरल होने के बाद हॉस्पिटल की अधीक्षक डॉ. धारित्री परमार ने कहा कि मैं शहर से बाहर हूं। इसलिए मुझे इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं। बाद में अस्पताल के सुरक्षा गार्ड को हटा दिया गया।

फल वितरण की अनुमति मांगी थी: आरएमओ

सूरत सिविल आरएमओ डॉ. केतन नायक ने कहा कि सोमवार की दोपहर एक कर्मचारी ने मुझसे कहा था कि कुछ लोग हॉस्पिटल में फल वितरण की अनुमति मांग रहे हैं। मैंने मौखिक रूप से इसकी अनुमति दे दी थी। लेकिन मुझे देर शाम आसाराम की फोटो की पूजा-आरती की सूचना मिली तो मैंने अपने सहयोगी डॉ. भरत पटेल को व्यक्तिगत रूप से वहां भेजकर सारी गतिविधियां बंद करवा दी थीं।

हमास को गाजा छोड़ना पड़ेगा?

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति बोले- हथियार डालकर करो सरेंडर

न्यूयॉर्क. फिलिस्तीन को कई प्रमुख देशों ने एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी है। जिसमें फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इसी क्रम में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास जैसे आतंकी संगठन और उसके सहयोगी गुटों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने बिना लाग-लपेट के कहा कि हमास को अपने सारे हथियार फिलिस्तीनी प्राधिकरण के हवाले कर देने चाहिए और बिना शर्त आत्मसमर्पण करना चाहिए, क्योंकि गाजा पट्टी में शासन और सुरक्षा का जिम्मा उठाने वाली एकमात्र वैध संस्था फिलिस्तीन राज्य ही है।

सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वि-राज्य समाधान पर विशेष बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बोलते हुए अब्बास ने एक एकजुट फिलिस्तीनी राज्य का खाका पेश किया। इसमें एक ही कानून, एक ही वैध सुरक्षा बल होगा और कोई भी सशस्त्र समूह नहीं चलेगा। उन्होंने साफ लफ्जों में जोर दिया कि गाजा में हमास की कोई जगह नहीं बचेगी। गाजा का प्रशासन पश्चिमी तट की फिलिस्तीनी सरकार से जुड़ेगा, जो अरब देशों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से बनी अंतरिम समिति के जरिए चलेगा।

अब्बास ने जुलाई में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित न्यूयॉर्क घोषणापत्र के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इसे मानवीय संकट को समाप्त करने और इजरायली कब्जे को उखाड़ फेंकने की दिशा में एक ऐसा कदम बताया, जो अब पीछे नहीं हट सकता। यह घोषणापत्र पूर्वी यरूशलम को राजधानी वाले स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की रूपरेखा बनाता है, जो इजरायल के साथ शांति से साथ-साथ रहेगा। उन्होंने तुरंत और स्थायी युद्धविराम की मांग की, साथ ही संयुक्त राष्ट्र के जरिए बिना रुकावट मानवीय मदद, सभी बंधकों और कैदियों की रिहाई, गाजा से इजरायली फौजों की वापसी तथा काहिरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से गाजा-पश्चिमी तट के पुनर्निर्माण पर बल दिया।

इस मौके पर अब्बास ने कहा कि कब्जे के दौरान घेराबंदी, भुखमरी और तबाही जैसे अपराधों को सुरक्षा का बहाना नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कब्जे के अपराधों; जैसे बस्तियों का फैलाव, इलाकों का विलय, हिंसा और पवित्र स्थलों पर हमलों की कड़ी निंदा की।

बस स्टैंड पर ही पत्नी का कर डाला कत्ल

- एक दर्जन बार चाकू से गोदा
- बेटी भी थी मौजूद

बेंगलुरु. कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक सनसनीखेज कांड सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने बस स्टैंड पर ही पत्नी को मार डाला। लोहिताश्व नाम के शख्स ने पत्नी को बस स्टैंड पर ही सरेआम एक दर्जन पर चाकू से मारा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान उसकी 12 साल की बेटी भी मौके पर थी। पुलिस का कहना है कि लोहिताश्व और रेखा ने तीन महीने पहले ही

शादी की थी और वे काफी समय से साथ हैं। रेखा की यह दूसरी शादी है और पहले विवाह से उसकी दो बेटियां है। रेखा की एक बेटी उसके मां-बाप के पास यानी अपने ननिहाल में रहती है। वहीं 12 साल की बड़ी बेटी उसके साथ थी।

पुलिस का कहना है कि रेखा ने अपने पहले पति से अलग होकर शादी की थी। इसके अलावा लोहिताश्व भी तलाकशुदा था। दोनों शादी के बाद किराये के एक घर में ही रहते थे। कर्नाटक के सिरा कस्बे से ये लोग बेंगलुरु आकर रहने लगे थे। इस दौरान रेखा एक कॉल सेंटर में नौकरी कर रही थी। लोहिताश्व बेरोजगार था तो उसने उसकी भी नौकरी लगवाने में मदद की। उसे ड्राइवर की नौकरी दिला दी थी। लेकिन लोहिताश्व को उसका घर से बाहर जाना अच्छा नहीं लगता था। उसे शक होने लगा था कि रेखा के किसी और से संबंध हैं। इसी को लेकर दोनों के बीच तकरार होने लगी थी।

भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी फटा

- बैरन आइलैंड में 8 दिन में 2 बार धमाका

अंडमान-निकोबार के बैरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे और आसपास के इलाकों पर किसी तरह का खतरा नहीं है।

बैरन आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से करीब 138 किलोमीटर दूर है और यह दक्षिण एशिया का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह लगभग 3 वर्ग किलोमीटर का निर्जन द्वीप है, जिस पर ज्वालामुखी की राख और पत्थर फैले रहते हैं।

यह द्वीप 354 मीटर ऊंचा है और अंडमान-निकोबार की खास पहचान माना जाता है।

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से ऋषभ पंत बाहर

- ध्रुव जुरेल होंगे मुख्य विकेटकीपर
- चयनकर्ताओं की बैठक आज

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। यह सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। भारतीय चयनकर्ताओं की बैठक 24 सितंबर को होने वाली है, जिसमें अजित अगरकर की अगुआई वाली समिति इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी।

इस टीम में पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए घरेलू टेस्ट मुकाबलों की तुलना में दो खिलाड़ी कम होंगे।

पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे

ऋषभ पंत इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। मैनचेस्टर में हुए चौथे टेस्ट में उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। हालांकि, उन्होंने पहली पारी में बल्लेबाजी की, लेकिन आखिरी टेस्ट से पहले उन्हें एन जगदीशन से रिप्लेस कर दिया गया।

वर्तमान में पंत बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब कर रहे हैं। वह कंडीशनिंग पर काम कर रहे हैं और मेडिकल टीम की अगली रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अभी उनके क्रिकेट में वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। वेस्टइंडीज सीरीज के बाद भारत को 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है।

ध्रुव जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी

पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज सीरीज में भारत के मुख्य विकेटकीपर होंगे। जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी। वह इस समय लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया A के खिलाफ खेल रहे हैं।
एन जगदीशन, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ ओपनिंग करने के साथ जुरेल के साथ कीपिंग की जिम्मेदारी भी साझा की थी, बैकअप विकेटकीपर के रूप में टीम में जगह पा सकते हैं।

पैसों की वसूली के लिए अदालतें रिकवरी एजेंट की तरह नहीं कर सकतीं काम

- सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतें रिकवरी एजेंट के रूप में कार्य नहीं कर सकतीं। अदालत ने किसी विवाद में पक्षकारों की ओर से दीवानी विवादों को आपराधिक मामलों में बदल देने की प्रवृत्ति की निंदा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ कहा कि बकाया राशि की वसूली के लिए गिरफ्तारी की धमकी का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। यह हालिया प्रवृत्ति बन गई है कि पक्षकार धन की वसूली के लिए आपराधिक मामले दर्ज कराते हैं, जबकि यह पूरी तरह से दिवानी विवाद होता है।

एससी ने ये टिप्पणियां सोमवार को उत्तर प्रदेश से जुड़े एक आपराधिक मामले में कीं, जहां धन की वसूली के विवाद में व्यक्ति पर अपहरण के आरोप लगाए गए थे। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि इस तरह की शिकायतों में वृद्धि हुई है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में पुलिस बीच में फंस जाती है, क्योंकि अगर वह संज्ञेय अपराध का मामला होते

हुए भी प्राथमिकी दर्ज नहीं करती तो अदालत उसे फटकार लगाती है। अगर दर्ज करती है तो पक्षपात का आरोप लगाया जाता है और यह कहा जाता है कि पुलिस ने विधिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर इन शिकायतों में धन की वसूली के विवाद को आपराधिक मामले का रूप दे दिया जाता है।

FIR दर्ज करने को लेकर क्या कहा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अदालत पुलिस की दुविधा को समझती है। इसने यह भी उल्लेख किया कि अगर संज्ञेय अपराध के आरोप वाले मामलों में FIR दर्ज नहीं की जाती तो पुलिस को सुप्रीम कोर्ट के 2013 के ललिता कुमारी फैसले का पालन न करने के लिए फटकार लगाई जाती है। पीठ ने पुलिस को सलाह दी कि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी से पहले वह अपने विवेक का इस्तेमाल करके यह देखे कि मामला दीवानी है या आपराधिक। अदालत ने कहा कि इस तरह आपराधिक कानून का दुरुपयोग न्यायिक प्रणाली के लिए गंभीर खतरा बन रहा है।

बकाया राशि वसूलने पर अदालत की टिप्पणी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की, 'अदालतें पक्षकारों के लिए बकाया राशि वसूलने के लिए रिकवरी एजेंट नहीं हैं। न्यायिक प्रणाली का इस प्रकार दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।' सुप्रीम कोर्ट ने नटराज को सुझाव दिया कि प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जा सकता है, जो रिटायर्ड जिला न्यायाधीश हो। पुलिस ऐसे नोडल अधिकारी से परामर्श करके यह तय कर सकेगी कि मामला दीवानी है या आपराधिक और उसके बाद कानून के अनुसार आगे बढ़े। पीठ ने नटराज से कहा कि वह इस बारे में निर्देश प्राप्त करें और दो हफ़्तों में अदालत को अवगत कराएं।

मूवी टिकट के दाम 200 रुपये से ज्यादा नहीं

- हाई कोर्ट ने लगा दी कर्नाटक सरकार के फैसले पर रोक

बेंगलूरु. मूवी टिकट के दाम अधिकतम 200 रुपये तक सीमित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस रवि वी होसमानी ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए मल्टीप्लेक्स के मालिकों को राहत दी है। मल्टीप्लेक्स असोसिएशन ने एक याचिका फाइल कर कर्नाटक सिनेमा रेग्युलेशन रूसल 2025 को चुनौती दी थी। इस नियम में कहा गया था कि फिल्म के टिकट की कीमत 200 रुपये से ज्यादा नहीं बढ़ाई जा सकती।

फिल्म प्रड्यूसर्स, मल्टीप्लेकस एसोसिएशन ऑफ इंडिया औ

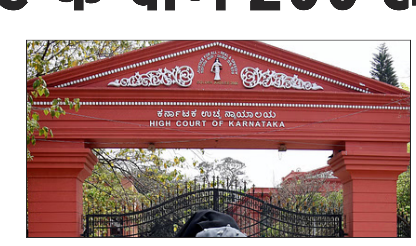

पीवीआर आईनॉक्स के शेयरहोल्डर्स ने मिलकर हाई कोर्ट में अपील की थी। याचिका में कहा गया था कि सभी थिएटर में इस तरह से टिकट की कीमतों को सीमित कर देने से नुकसान होगा। याचिका में कहा गया कि सिंगल स्क्रीन थिएटर के मुकाबले मल्टीप्लेक्सेज में सुविधाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में वहां फिल्म दिखाने का खर्च भी ज्यादा आता है।

याचिका में कहा गया था कि कि ओटीटी प्लैटफॉर्म, सैटलाइट टीवी और मनोरंजन के अन्य साधनों पर कड़े नियम नहीं हैं। वहीं इस तरह के नियम केवल थिएटर पर ही लगाए जा रहे हैं। एसोसिएशन ने कहा कि सरकार के ये नियम संविधान के आर्टिकल 19 (1) (g) का उल्लंघन करते हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि मल्टीप्लेक्स में टेक्नॉलजी, इनवेस्टमेंट, फॉर्मेट पर ज्यादा खर्च होता है और इसका बिना ध्यान दिए ही नियम बनाना गलत है। नियम में 75 सीट या उससे कम सीट वाले मल्टी स्क्रीन प्रीमियम सिनेमा को छूट दी गई थी। हालांकि इसको पारिभाषित नहीं किया गया था।

राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि सभी को मनोरंजन का अधिकार है और ऐसे में जनता के हित में यह फैसला लिया गया है। एसोसिएशन की तरफ से पेश हुए वकील अदया होला ने कहा कि इस तरह से 200 रुपये का कैप निर्धारित कर देना मनमाना रवैया है। उन्होंने कहा कि ग्राहक ज्यादा पैसे खर्च करके भी लग्जरी सिनेमा देखना चाहता है। ऐसे में एग्जिबिटर्स को भी लग्जरी चीजें उपलब्ध करवाने के लिए कीमत निर्धारित करने की छूट मिलनी चाहिए।

कोर्ट में याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि इसी तरह का मामला एक अन्य राज्य में भी था। कर्ट में जाने के बाद नियम बदलना पड़ा था। एक अन्य वकील ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार को पड़ना ही नहीं चाहिए। यह मामला ग्राहकों और थिएटर मालिकों के बीच का है।

23 महीने बाद सपा नेता आजम खान जेल से रिहा

सीतापुर. सपा नेता आजम खान 23 महीने बाद सीतापुर जेल से मंगलवार दोपहर रिहा हो गए। जेल से निकलने के बाद आजम ने बसपा में जाने के सवाल पर कहा- यह अटकलें लगाने वाले ही बता सकते हैं। मैं जेल में किसी से नहीं मिला। फोन करने तक की इजाजत नहीं थी।

आजम खान को 5 दिन पहले हाईकोर्ट ने बीयर बार पर कब्जे से जुड़े केस में जमानत दी थी। यह आखिरी मामला था, जिसमें उन्हें जमानत मिली। हालांकि, जमानत मिलते ही पुलिस ने शत्रु संपत्ति मामले में नई धाराएं जोड़ दीं।

20 सितंबर को रामपुर कोर्ट ने ये धाराएं खारिज कर दीं, जिससे रिहाई का रास्ता साफ हो गया। आजम पर 104 केस दर्ज हैं।

दोनों बेटे अदीब और अब्दुल्ला उन्हें लेने पहुंचे। वे 100 गाड़ियों के काफिले के साथ यहां से रामपुर के लिए रवाना हो गए। आजम की रिहाई सुबह 9 बजे होनी थी, लेकिन एक केस में 6 हजार जुर्माना नहीं भरा गया था। 10 बजे कोर्ट खुलने पर यह रकम जमा हुई। इसके बाद 12.30 बजे उनकी रिहाई हुई।

संक्षेप...

लोकल की छत पर यात्रा कर रहे यात्री करंट लगने से जख्मी

ठाणे. मध्य रेलवे के दिवा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को सुबह वातानुकूलित लोकल ट्रेन की छत पर यात्रा करते समय 'ओवरहेड इक्विपमेंट' (ओएचई) के संपर्क में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया.जिसे इलाज के लिएर मुंबई के सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस घटना की वजह से कुछ समय के लिए लोकल ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ.

शनि शिंगणापुर देवस्थान ट्रस्ट बोर्ड भंग

- **महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला**
- **कलेक्टर को सौंपी कमान**

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर स्थित शनैश्वर मंदिर ट्रस्ट बोर्ड को भंग कर दिया गया है। पिछले काफी समय से मंदिर ट्रस्ट पर धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे थे। इसपर एक्शन लेते हुए राज्य सरकार ने ट्रस्ट बोर्ड को ही भंग कर दिया।

शनि शिंगणापुर देवस्थान ट्रस्ट पर मंदिर का मैनेजमेंट सही तरह न करने, वित्तीय कुप्रबंधन और फर्जी ऐप के जरिए श्रद्धालुओं से पैसा वसूलने का आरोप लग रहा था। ऐसे में राज्य सरकार ने ट्रस्ट भंग करते हुए मंदिर का पूरा दारोमदार जिला कलेक्टर को सौंप दिया है।

जिला कलेक्टर पर जिम्मेदारी

महाराष्ट्र सरकार के नए आदेश के अनुसार, फिलहाल के लिए मंदिर का प्रशासन जिला कलेक्टर के हाथों में रहेगा। मंदिर की अचल संपत्ति से लेकर श्रद्धालुओं की सभी सुविधाओं का ध्यान रखना और धार्मिक कार्यक्रमों में पारदर्शिता बनाने की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर की होगी।

बता दें कि शनि शिंगणापुर में स्थित शनैश्वर मंदिर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए इस मंदिर में पहुंचते हैं। हालांकि, पिछले काफी समय से मंदिर से ढेर सारी शिकायतें आ रही थीं। इसके लिए सरकार ने जांच शुरू करवाई थी।

जांच के बाद सरकार ने लिया फैसला

जांच पूरी होने के बाद राज्य सरकार ने ट्रस्ट को भंग करने का फैसला किया। सरकार ने भक्तों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए जिला कलेक्टर को मंदिर का जिम्मा सौंप दिया है। सरकार ने मंदिर में पारदर्शिता लाने और वित्तीय लेन-देन में सुधार के आदेश दिए हैं।

नवरात्रोत्सव की धूम शुरू

- **पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित**

मुंबई. नवरात्रोत्सव का पर्व शुरू हो गया है और धार्मिक रीति रिवाज से पूजा अर्चन कर जगह-जगह पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई हैं। इस दौरान आसपास का वातावरण भी देवीमय हो गया। ध्वनि विस्तारक यंत्रों से बज रहे देवी गीत सुनकर लोग झूम रहे हैं, तो सुबह-शाम आरती के बाद प्रसाद का एक दाना पाकर लोग धन्य महसूस करने लगे हैं।

मुलुंड की चर्चा करें तो इंदिरा नगर रहिवासी मंडल द्वारा नवरात्रोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। यहां पंडाल में देवी मां की मूर्ति स्थापित की गई हैं। इस मंडल के अध्यक्ष मनीष तिवारी हैं। मंडल के उपाध्यक्ष रामप्रवेश गुप्ता ने बताया कि यहां पंडाल में 51 शक्तिपीठ की झलक बनाई गई है जो मां दुर्गा भक्तों को लुभा रही है। यहां आरती, हवन हर दिन होता है। यह माता इच्छापूर्ति हैं और यहां जो भी मुरादे मांगते हैं सबका पूरा होता है। मां भक्त हरी गाडे, शंकर जेरीपुट्ट, संतोष मौर्या, दिनेश पाल, अजय पांडे के अलावा अन्य भक्त मां की सेवा में लगे हुए हैं।

सार्वजनिक दुर्गा पूजन समिति

इसी तरह सार्वजनिक दुर्गा पूजन समिति अमरनगर द्वारा भी

नवरात्रोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसके अध्यक्ष चक्रधर झा हैं। यहां भी पंडाल में मां दुर्गे की मूर्ति स्थापित की गई है। प्रदीप झा के मार्गदर्शन में यहां नवरात्रोत्सव का पर्व मनाया जा रहा है।

सुबह मूर्ति का अनावरण ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान से किया गया। प्रथम दिन सैकड़ों भक्तों की भीड़ प्रसाद लेने के लिए जुटी रही, तो आरती में शामिल लेने के लिए महिलाएं और पुरुष घर से निकलकर पंडाल में पहुंच गए थे। आयोजन समिति से जुड़े लोग शारीरिक दूरी का पालन कराने में लगे थे। प्रबंधक सुधाकर चौहान, अध्यक्ष चंद्रभान चौहान, कोषाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, अवधेश यादव, सादिक लाल चौहान, मुन्नू लाल चौहान, कर्मवीर चौहान, शिव कुमार चौहान आदि व्यवस्था में जुटे रहे। उतरगांवा गांव में नवरात्र के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई।

ट्रैफिक पुलिस के अजीबोगरीब कारनामे का वीडियो वायरल

- **300 रुपये लेकर भारी वाहनों को दे रहा प्रतिबंधित समय में इंट्री**

भिवंडी. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कुछ घंटों के लिए वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद, गोदामों की ओर जाने वाले भारी वाहनों से 300 रुपये वसूल कर भारी वाहनों को प्रतिबंधित एरिया में घुसने दिया जा रहा है.

ट्रैफिक जाम में फंसे ट्रक चालक भारद्वाज चौधरी जब फेसबुक पर इस वीडियो की लाइव स्ट्रीमिंग कर रहे थे, तब खुद ट्रक चालक ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने भारी वाहनों से 300 रुपये वसूले हैं. भिवंडी में ट्रैफिक जाम के लिए ट्रैफिक पुलिस की जबरन वसूली किस तरह जिम्मेदार है.

विदित हो कि,भिवंडी में यातायात जाम की समस्या गंभीर हो गई है. शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र में स्थित गोदामों में भारी संख्या में भारी वाहनों के आने-जाने के कारण भिवंडी के अंजुरफाटा, काल्हेर,

काशेली से ठाणे मार्ग के साथ-साथ अंजुरफाटा, वलगांव, दापोड़े, मानकोली और मुंबई-नासिक राजमार्ग पर पिंपलास से खारेगांव ब्रिज तक भारी यातायात जाम की स्थिति 24 घंटे बनी रहती है.यात्रियों को जाम से राहत दिलाने के लिए परिवहन विभाग ने भिवंडी में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध करीब 1 माह से लगा दिया है. परिवहन विभाग ने वाहनों के आवागमन को लेकर एक समय-सारिणी भी जारी की है. भिवंडी शहर और ग्रामीण इलाकों में, ड्राइवरों से 300 रुपये वसूल कर भारी वाहनों को सीधे सड़क पर जाने दिए जाने का खुलासा भिवंडी के वकील एंड.भारद्वाज चौधरी ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर ट्रैफिक पुलिस की वसूली का पर्दाफाश किया है. एड.चौधरी ने अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से लाइव प्रसारण किया है कि कैसे ट्रैफिक पुलिस नागरिकों को बरगलाकर वसूली कर रही है. वीडियो के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस की भ्रष्ट कारगुज़ारी का खुलासा हुआ है.जागरूक लोगों का कहना है कि, ट्रैफिक विभाग के ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त यहाँ की ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान करने में पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं. सरकार को एक अनुभवी अधिकारी को जाम समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए.

ट्रैफिक विभाग पुलिस उपायुक्त संजय सिरसाट का कहना है कि, उक्त वायरल वीडियो की जांच की जाएगी.संबंधित दोषी पुलिस कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

मनपा ने ढहाया गोकुल होटल का अवैध अतिक्रमण

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रभाग 2 अंतर्गत भिवंडी-कल्याण मार्ग स्थित ट्रैफिक कार्यालय के पास गोकुल शुद्ध शाकाहारी होटल प्रबंधन द्वारा मार्ग के सामने हिस्से में अवैध रूप से टेंट लगाकर किया गया अतिक्रमण मनपा वार्ड अधिकारी माणिक जाधव के मार्गदर्शन में मनपा अतिक्रमण पथक प्रमुख अरविंद घुगरे की टीम ने जेसीबी मशीन से तोड़कर नीचे गिरा दिया है. मनपा प्रभाग अधिकारी माणिक जाधव द्वारा भविष्य में गोकुल होटल प्रबंधन को अतिक्रमण नहीं किए जाने की चेतावनी दी गई है.

गौरतलब हो कि, मनपा प्रभाग क्रमांक 2 और 3 अंतर्गत भिवंडी-

कल्याण मार्ग पर होटल संचालकों, दुकानदारों, ठेला धारकों, बस मालिकों द्वारा सड़क, फुटपाथ किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर मार्ग को कमोवेश अवरुद्ध कर दिया गया है. शहर की सभी मुख्य सड़क, फुटपाथ पर अतिक्रमण होने से भारी यातयात जाम होता है.

अवैध कब्जे से राहगीरों का चलना मुश्किल

शहर की प्रमुख सड़कों के किनारे फुटपाथ पर भी दुकानदारों, होटल संचालकों,ठेला धारकों द्वारा अवैध रूप से किए गए कब्जे की वजह से पैदल राहगीरों को भी चलने में भारी कठिनाई झेलनी पड़ती है .शहरवासियों का मानना है कि,अगर शहर अतिक्रमण मुक्त हो जाए तो यातायात की समस्या खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगी .भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने अधिकारियों की बैठक लेकर शहर की तमाम सड़कों और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त किए जाने के निर्देश मनपा अतिक्रमण तोड़ प्रमुख अरविंद घुगरे सहित क्षेत्रीय प्रभाग अधिकारियों,बीट निरीक्षक को दिए हैं .मनपा अतिक्रमण तोड़ पथक टीम प्रमुख अरविंद घुगरे मनपा कर्मियों की टीम के साथ जेसीबी मशीन और हथौड़ा से अतिक्रमण हटाए जाने की कवायद में जुटे हैं .

बायजू के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई. एडटेक दिग्गज बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ, एक बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड ने, मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई है. जिसमें आरोप लगाया गया है कि बायजू के संस्थापकों और निदेशकों ने, 2020 से 2023 के बीच फर्जी ऋण प्रथाओं के जरिए कंपनी से 24.99 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की है.

शिकायत में बायजू के संस्थापकों और निदेशकों पर 2020 से 2023 के बीच फर्जी ऋण प्रथाओं के जरिए धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है.

स्वामी समर्थ मठ 8000 मैंग्रोव पौधे लगाएगा

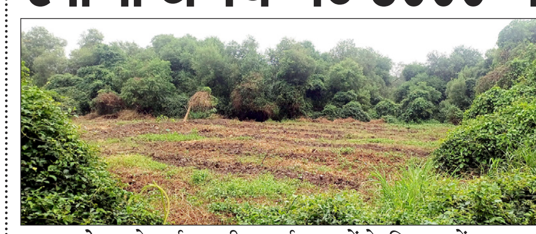

ठाणे. ठाणे पूर्व स्वामी समर्थ मठ की ओर जाने वाली सड़क के किनारे लगभग 1.80 हेक्टेयर क्षेत्र में 8000 मैंग्रोव पौधे लगाए जाएँगे।ठाणे शहर में खाड़ी का 27 किलोमीटर लंबा किनारा है, और इस खाड़ी में मैंग्रोव वन हरियाली के प्राकृतिक आवरण के रूप में मौजूद है। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में, ठाणे के पूर्व में मीठबंदर रोड और स्वामी समर्थ मठ क्षेत्र में जंगली लताएँ और झाड़ियाँ व्यापक रूप से फैल गई हैं। इससे मैंग्रोव वनों के विकास में बाधा उत्पन्न हुई है और खाड़ी की पारिस्थितिकी पर भी असर पड़ा है।

वन विभाग ने क्षेत्र में अनावश्यक पेड़ों और झाड़ियों को हटाकर एक नया मैंग्रोव वन लगाने की तैयारी की है। जल्द ही यहाँ 8000 मैंग्रोव पौधे जड़ पकड़ लेंगे और अगले कुछ वर्षों में ठाणे की खाड़ी को एक नया हरित आवरण प्राप्त होगा।सुनामी के बाद, पूरी दुनिया को मैंग्रोव वनों के वास्तविक महत्व का एहसास हुआ।यह पेड़ समुद्र की विशाल लहरों को रोकने, तूफानों के प्रभाव को कम करने, खाड़ी में मछलियों और केकड़ों को आश्रय प्रदान करने, प्रवासी पक्षियों को भोजन और आवास प्रदान करने और खाड़ी के पानी को प्राकृतिक रूप से शुद्ध करने जैसे कई कार्य करते हैं।

> ठाणे की खाड़ी के किनारे मैंग्रोव वन लगाना न केवल एक पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत का निर्माण भी है।8,000 मैंग्रोव पौधों के रोपण से खाड़ी की जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा और पारिस्थितिक संतुलन बना रहेगा।
> –मनीष पवार, वन रेंज अधिकारी ठाणे (मैंग्रोव)

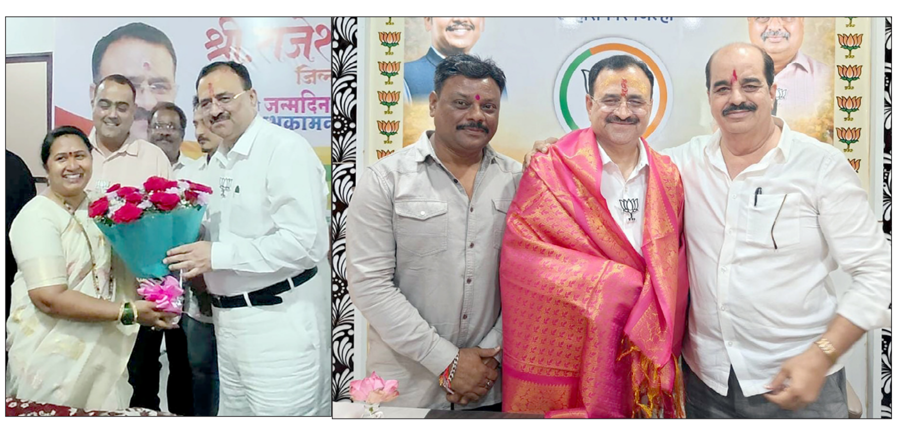

उल्हासनगर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया के जन्मदिन पर कल्याण पूर्व की विधायक सुलभा गणपत गायकवाड़ व उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी ने उन्हें भाजपा मुख्यालय में जाकर शुभेच्छा दी। भाजपाईयों ने श्री वधरिया का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

UPSC परीक्षा में पास कराने का झांसा देकर करीब 60 लाख रुपये का चूना लगाया

मुंबई. मुंबई से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. मुंबई के मालवणी इलाके के एक होटल कारोबारी को दो ठगों ने यूपीएससी परीक्षा में पास कराने का झांसा देकर करीब 60 लाख रुपये का चूना लगा दिया.

पुलिस ने इनमें से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी अब भी फरार है. गिरफ्तार आरोपी का नाम याकूब गफूर शेख है, जो खुद को सीआईडी ऑफिसर बताकर लोगों को धोखा देता था. उसका साथी विजय चौधरी, जिसने खुद को यूपीएससी परीक्षा प्रक्रिया का वरिष्ठ अधिकारी बताया था, पुलिस की पकड़ से बाहर है.

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित होटल व्यवसायी इरशाद खान का बेटा सद्दाम, जो कॉमर्स ग्रेजुएट है, चार बार यूपीएससी परीक्षा में असफल हो चुका था. पांचवीं बार की तैयारी के दौरान इरशाद की मुलाकात याकूब शेख से हुई. याकूब अक्सर उसके होटल में आता-जाता था और खुद कोसीआईडी अफसर बताकर रसूख दिखाता था. बातचीत के दौरान उसने इरशाद से कहा कि उसके "कॉन्टैक्ट्स" की मदद से उसका बेटा परीक्षा में पास हो सकता है.

68 वर्षीय रिटायर्ड बैंककर्मी से 27.88 लाख की ठगी

मुंबई. विले पार्ले (ईस्ट) में रहने वाले 68 वर्षीय रिटायर्ड बैंककर्मी से साइबर ठगों ने 27.88 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने उन्हें शेयर बाजार में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा दिया था। पश्चिम क्षेत्र साइबर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित को जून में व्हाट्सएप पर एक संदेश मिला। खुद को सुमन गुप्ता बताने वाली महिला ने खुद को एक मशहूर ब्रोकरेज फर्म की कस्टमर सर्विस टीम का हिस्सा बताया और उन्हें शेयर बाजार में निवेश का लालच दिया।

उस महिला द्वारा दिए गए अलग-अलग बैंक खातों में 27.88 लाख रुपये जमा करवाने के बाद जब पीड़ित को अपने ट्रेडिंग अकाउंट में दिख रहा मुनाफा निकालने में परेशानी हुई, तब जाकर उन्हें शक हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

कटरीना जल्द बनेंगी मां

- **फैंस को दी गुड न्यूज**
- **विक्की कौशल के साथ बेबी बंप की तस्वीर शेयर की**
- **अक्टूबर-नवंबर में हो सकती है डिलीवरी**

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने मंगलवार को बेबी बंप की तस्वीर पोस्ट करते हुए फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की है।

ऑफिशियल इंस्टाग्राम से कटरीना कैफ ने एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वो और विक्की कौशल बेबी बंप थामे हुए नजर आए हैं। इसके साथ कटरीना ने लिखा- हम जिंदगी का सबसे अच्छा चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं, दिल खुशी और आभार से भरे हुए हैं।

अक्टूबर में हो सकती है डिलीवरी

कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की खबरें सितंबर की शुरुआत से ही सुर्खियों में रहीं। एनडीटीवी की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि कटरीना की डिलीवरी अक्टूबर-नवंबर में हो सकती है। हालांकि, कपल की तरफ से डिलीवरी डेट पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

डोंबिवली ज़ोन का निरंकारी बाल संत समागम हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न

भिवंडी. सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन अनुसार संत निरंकारी सत्संग भवन, भिवंडी में रविवार २१ सितम्बर, २०२५ सुबह १०.०० से दोपहर १.०० बजे तक डोंबिवली ज़ोन का क्षेत्रीय स्तर का बाल संत समागम बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश, इंदौर से विशेष रूप से पधारे निरंकारी ब्रह्मज्ञान प्रचारक आदरणीय रमेश वस्त्रकर जी ने अपने प्रेरणादायी विचार सांझा करते हुए कहा कि 'संस्कार ही जीवन की नींव हैं, और यदि बाल्यावस्था में ही अच्छे संस्कार मिल जाएं तो जीवन सुखमय बनता है। बाल संत समागम विश्व को एक नई दिशा देने वाला है तथा सम्पूर्ण जगत में शांति का आधार केवल सद्गुरु द्वारा दिया गया ब्रह्मज्ञान ही हो सकता है। यदि यह ब्रह्मज्ञान बचपन में ही प्राप्त हो जाए तो जीवन अद्भुत बन जाता है।'

आ. वस्त्रकर जी ने बताया कि सत्संग के माध्यम से बच्चों पर जो संस्कार डाले जा रहे हैं, वही भविष्य में विश्व में शांति स्थापित करेंगे। जो बच्चे माता-पिता और गुरु के वचनों का पालन करते हैं, वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं।

मिशन के डोंबिवली ज़ोन प्रभारी आदरणीय रावसाहेब हसबे जी की देखरेख में आयोजित इस बाल संत समागम में डोंबिवली, कल्याण, विठ्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, टिटवाला, वाशिंद, शाहापुर, कसारा, भिवंडी, मुरबाड आदि क्षेत्रों से निरंकारी बालक व उनके पालक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। समागम के दौरान बालकों ने मराठी, हिंदी, अंग्रेज़ी, पंजाबी, भोजपुरी, कन्नड़ और संस्कृत भाषाओं में गीत, विचार, कविता व नाटिका प्रस्तुत कर संत निरंकारी मिशन का संदेश दिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम की मेज़बानी बाल संतों द्वारा किया गया। साथ ही 'कण कण से शिक्षा', 'मनमुख-गुरुमुख', 'अरदास-विश्वास-प्रयास', 'आध्यात्मिकता', 'ज्ञान और कर्म का संगम', 'बाहरी और आंतरिक प्रदूषण', 'मनःस्थिति', 'पांच तत्व', 'दृष्टि जैसी सृष्टि' तथा 'विचारात्मक संतुलन' जैसे विषयों पर आकर्षक बाल प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मुंबई में 'संस्कृति 2025' कार्यक्रम आयोजित

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय के गरवारे इंस्टीट्यूट ऑफ करियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (UM-GICED) ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 'संस्कृति 2025' का आयोजन किया है। पर्यटन मंत्रालय और अतुल्य भारत के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय परंपरा, विरासत और संस्कृति का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की शुरुआत 19 सितंबर से 22 सितंबर, 2025 तक हेरिटेज वॉक से होगी। इसके बाद, 25 सितंबर, 2025 को सांस्कृतिक परेड, सांस्कृतिक मेला और रील प्रतियोगिता जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और नागरिकों में पर्यटन के प्रति जागरूकता पैदा करना, सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाना और विरासत का संरक्षण करना है।

संस्था के यात्रा एवं पर्यटन विभाग ने छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय छात्रों से 'संस्कृत 2025' में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099